Fourteenth Loksabha

Session : 6
Date : 20-12-2005

Participants : Singh Shri Prabhunath

an>

Title : Need to enhance the quota of patients to be recommended by MPs for financial assistance under Prime Minister's National Relief Fund.

MR. SPEAKER: Only Shri Prabhunath Singh's statement will go on record. Nobody else's observations will be recorded.

श्री प्रभुनाथ सिंह अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक महत्वपूर्ण विाय की ओर दिलाना चाहता हूं। दिल्ली देश की राजधानी है। यहां पर देश के दूसरे प्रांतों से, खासकर बिहार, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा से मरीज इलाज कराने के लिए आते हैं। इलाज के क्रम में जब उन्हें कोई असाध्य बीमारी होती है, तो प्राक्कलन बनवाकर सांसदों के यहां जाते हैं और सांसद प्रधान मंत्री जी के यहां पत्र लिखते हैं, तो उन्हें अनुदान मिल जाता है। इधर एक रोज प्रधान मंत्री कार्यालय से मेरे यहां तीन बार टेलीफोन आया और यहा कहा गया कि आपने ज्यादा पत्र लिख दिए हैं, निर्णय लिया गया है कि एक महीने में एक सांसद एक ही चिट्ठी लिखेगा। जब हमने प्रधान मंत्री जी को पत्र लिख कर अनुरोध किया कि प्रधान मंत्री जी किसी सांसद के लिए यह सम्भव नहीं होगा कि अपने राज्य से या क्षेत्र से कौन सा मरीज किस असाध्य रोग से पीड़ित होगा, किसका पत्र पहले लिखना चाहिए और किसका बाद में लिखना चाहिए। इसके अलावा किसको कितना प्राक्कलन लगेगा, यह किसी को जानकारी नहीं हो पाती है। जब मरीज आता है तो उसे जो भी सांसद सामने दिखाई देता है, वह उससे पत्र लिखा लेता है। पहले से यह परम्परा थी कि जब सांसद पत्र लिखते थे, तो प्रधान मंत्री जी के यहां से प्राक्कलन के आधार पर राशि आबंटित की जाती थी। जब हमने प्रधान मंत्री जी को इस सम्बन्ध में पत्र लिखा, तो मुझे एक पत्र प्रधान मंत्री कार्यालय से मिला। उसमें लिखा गया था कि आपके नाम पर 12 मरीजों को पैसा स्वीकृत हो चुका है और महीने में एक के हिसाब से अगले साल में फिर आपके पत्र पर विचार किया जाएगा। उस पत्र की कापी मेरे पास है।...(व्यवधान) ऐसा कभी नहीं हुआ।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हरिन भाई, आप क्यों बीच में बोल रहे हैं। He is very competent.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि यह निर्णय बहुत ही अव्यावहारिक है। ऐसी परिस्थिति में मैं सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि एक तरफ तो वह पिछड़ों का रोना रोती है, गांव के गरीबों का रोना रोती है और दूसरी तरफ जब गांव के पिछड़ों, अति पिछड़ों और कमजोर वर्ग के लोगों की बात आती है, तो इस तरह की बात करती है। आज तक किसी भी प्रधान मंत्री ने कटौती नहीं की थी, लेकिन अब उस आर्थिक सहायता में कटौती की जा रही है। यहां पर सरकार मौजूद है, संसदीय कार्य मंत्री जी बैठे हैं। मैं आपके माध्यम से उन्हें निवेदन करना चाहूंगा कि वह इस बात पर गम्भीरता से विचार करें और सदन में आश्वासन दें कि गांव के जो गरीब मरीज यहां इलाज के लिए आएंगे, उन्हें जो सहायता पहले मिलती थी, वह दी जाएगी। …(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, सरकार यहां बैठी है और मामला गम्भीर है। आप कहें तो हम यह पत्र आपकी टेबल पर रख दें।…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: The system is not right.

श्री रवि प्रकाश वर्मा (खीरी) : मैं इनकी बात से अपने को सम्बद्ध करता हूं।…(व्यवधान)

SHRI A. KRISHNASWAMY : Mr. Speaker, Sir, I would like to associate myself with the matter raised by Shri Prabhunath Singh. … (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप सदन की भावना देख लीजिए। पूरा सदन इस बात पर सहमत है कि गांव के गरीबों को यह सुविधा मिलनी चाहिए। सरकार मौजूद है। उसे चाहिए कि इस पर जवाब दे।…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: How can they respond immediately on all issues?

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mr. Prabhunath Singh, your submission is recorded in full. They cannot immediately respond to this. This is very unfair.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are not helping the cause by merely interrupting another Member who wants to raise a very important issue.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are not helping his cause. I know his ability. He has very forcefully and in a proper manner placed the matter on record[k15].

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): Sir, the whole House is unanimous on this issue… (*Interruptions*)

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Sir, our concern is that the Government should respond on this… (*Interruptions*)

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराट्र) : सर, बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है।

MR. SPEAKER: Everybody understands.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No, I will not allow you, Shri Pathak. No notice has been given by anybody. Submission of only Dr. C. Krishnan will be recorded.

*(Interruptions) ...**

DR. C. KRISHNAN (POLLACHI): Thank you, Mr. Speaker Sir, for giving me this opportunity raise… (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : सरकार की तरफ से इस बारे में रिस्पोन्स आना चाहिए। अगर रेस्पोन्स नहीं आता है तो आसन की तरफ से इस पर कोई टिप्पणी आनी चाहिए।

MR. SPEAKER: You cannot force the Government to respond immediately.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Do you not want Tamil Nadu matter to be raised? If you do not want, then I will go away. If you want, then sit down.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are disturbing the Members from Tamil Nadu. They want to raise an important issue.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Yes, Dr. Krishnan, please speak.

---

*Not Recorded